رسالہ

علم القافیہ

تحفۂ الگرہ

مؤلفہ

حکیم عبید اللہ خاں
گوالیار

عالیجاہ دربار پریس گوالیار
۲۴ نومبر سنہ ۱۹۳۲ء

رسالہ

علم القافیہ

تحفۂ لکڑہ

مؤلفہ

حکیم عبید اللہ خاں
گوالیار

عالیجاہ دربار پریس گوالیار
۲۴ نومبر سنہ ۱۹۳۲ء

۳۳۱۵۲

M.A.LIBRARY, A.M.U.

U33152

اور وجود ایسے شخص کا جس
میں تمام باتیں عمدہ ہی ہوں
اور کوئی بری علامت نہ ہو مشکل ہے
اس لئے کہ ایسے شخص کا وجود
اعتدال حقیقی پر موقوف ہے۔ اور
اعتدال حقیقی کسی نوع انسان میں
نہیں پایا جاتا جیسا کہ علم طب
میں مذکور ہے۔

نوٹ

اس رسالہ کا مضمون حسب ذیل
کتب سے انتخاب کیا گیا ہے۔

(۱) مطلع العلوم۔
(۲) اخلاق محسنی
(۳) خزینۃ الملوک
(۴) ضیافۃ الاخوان
(۵) ابجد العلوم
(۶) مفتاح السعادت

और वजूद ऐसे शरीर का जिस
में तमाम बातें उम्दा ही हों और
कोई बुरी अलामत न हो मुश्किल है.

इस लिये कि ऐसे शरीर का
वजूद एतदाल हक़ीक़ी पर मौक़ूफ़
है और एतदाल हक़ीक़ी किसी
नौअ इन्सान में नहीं पाया जाता
जैसा कि इल्म तिब में मज़कूर है.

नोट.

इस रिसाले का मज़मून हस्बज़ैल कुतुब से इन्तख़ाब किया गया है.

१ मतलउल उलूम.
२ अख़्लाक़ मोहसिनी.
३ ख़ज़ीनतुल मलूक.
४ ज़्याफ़तुल अख़वान.
५ अबजदुल उलूम.
६ मिफ़्ताहुस्सआदत.

अलामात नाख़ुने पा,
(पाऊं के नाख़ून)

पाऊं के नाख़ून का ज़र्द या स्याह होना दलील है एबदार होने की.

और सुर्ख़ व साफ़ होना दलील है हुनरमन्द होने की.

साहब इल्म क़याफ़े को चाहिये कि जिस अरज़ में निशानियां बुरी ज़्यादा हों और अच्छी कम हों वहां एतबार बुरी ख़सलतों का करे - और जिस अरज़ में अच्छी अलामतें ज़्यादा हों बुरी कम हों तो अच्छी अलामतों का लिहाज़ करे. और अगर दोनों बराबर होंतो ऐसे लोग नेकी - और बदी में दरमियाना होते हैं.

यह जिस क़दर अलामतें ऊपर बयान की गई हैं मर्दों और औरतों दोनों में पाई जाती हैं -

علامات ناخن پا (پاؤں کے ناخن)

پاؤں کے ناخن کا زرد یا سیاہ ہونا دلیل ہے عیب دار ہونے کی - اور سرخ وصاف ہونا دلیل ہے ہنرمند ہونے کی -

صاحب علم قیافہ کو چاہئے کہ جس شخص میں نشانیاں بُری زیادہ ہوں اور اچھی کم ہوں وہاں اعتبار بُری خصلتوں کا کرے - اور جس شخص میں اچھی علامتیں زیادہ ہوں بُری کم ہوں تو اچھی علامتوں کا لحاظ کرے - اور اگر دونوں برابر ہوں تو ایسے لوگ نیکی اور بدی میں درمیانہ ہوتے ہیں -

یہ جس قدر علامتیں اوپر بیان کی گئی ہیں مردوں اور عورتوں دونوں میں پائی جاتی ہیں -

बारीक होना निशानी है तेज़ फ़ेहमी की.

छोटा और मोटा होना निशानी है कुन्द ज़ेहनी की.

मिला हुवा होना निशानी है नेकी और भलाई की.

मुतफ़र्रिक़ और परेशान होना निशानी है बद हाली की.

अंगूठे के पास की उंगली अंगूठे से लम्बी होतो दलील है नेक बख़्ती और इक़बालमन्दी और मालदारी की.

और अगर सारी उंगलियां पाऊं की छोटी हों तो यह निशानी है बद बातिनी की.

और जिस शख़्स का अंगूठा बहुत चौड़ा और फैला हुवा हो वह बहुत मुल्कों और शहरों में फिरेगा.

बारीक होना निशानी है तेज़ फ़ेहमी की.

छोटा और मोटा होना निशानी है कुन्द ज़ेहनी की.

मिला हुवा होना निशानी है नेकी और भलाई की.

मुतफ़र्रिक़ और परेशान होना निशानी है बद हाली की.

अंगूठे के पास की उंगली अंगूठे से लम्बी होतो दलील है नेक बख़्ती और इक़बालमन्दी और मालदारी की.

और अगर सारी उंगलियां पाऊं की छोटी हों तो यह निशानी है बद बातिनी की.

और जिस शख़्स का अंगूठा बहुत चौड़ा और फैला हुवा हो वह बहुत मुल्कों और शहरों में फिरेगा.

اور لسّہ ہونا اور بہت بال ہونا
نشانی ہے بدبختی اور بدمزاجی
کی۔

علامات کفِ پا (پاؤں کا تلوا)

تلووں کا پیلا یا سیاہ ہونا
نشانی ہے کم اولاد ہونے اور بدچلن
ہونے کی۔

تلووں کا خالی ہونا لکیروں سے
نشانی ہے کہ وہ شخص اکثر پیدل
چلے گا۔

اور تلووں کا سُرخ اور نرم ہونا
نشانی ہے عقل اور دولت کی۔

اور تلووں پر نشان جَو اور عَلَم
اور سنکھ کا ہونا نشانی ہے زیادتی
دولت اور اقبال کی۔

علامات انگشتانِ پا (پیر کی انگلیاں)

پاؤں کی انگلیوں کا لمبا اور

اور پستہ ہونا اور بہت بال ہونا
نشانی ہے بدبختی اور بدمزاجی
کی۔

अलामात कफ़े पा,

(पाऊं का तलुवा.)

तलवों का पीला या स्याह होना
निशानी है कम औलाद होने और बद
चलन होने की.

तलुवों का ख़ाली होना लकीरों से नि-
शानी है कि वह शख़्स अक्सर पै=
दल चलेगा.

और तलुवों का सुर्ख़ और नर्म होना
निशानी है अक़्ल और दौलत की.

और तलवों पर निशान जौ और
अलम और संख कर होना निशानी
है ज़्यादती दौलत और इक़बाल की.

अलामात अंगुश्तान पा

(पैर की उंगलियां.)

पाऊं की उंगलियों का लम्बा और

ओर पस्ता होना ओर बहुत बाल
होना निशानी है बदबख़्ती ओर बद-
मिज़ाजी की.

टख़ने पर बालों का होना निशानी है क़िल्लत औलाद की.	ٹخنے پر بالوں کا ہونا نشانی ہے قلت اولاد کی۔
अगर एक टख़ना बड़ा हो और दूसरा छोटा वह शख़्स अक्सर क़ैदख़ाने में रहेगा.	اگر ایک ٹخنہ بڑا ہوا اور دوسرا چھوٹا وہ شخص اکثر قیدخانہ میں رہے گا۔
टख़ना छोटा और गोल होना निशानी है दौलतमन्दी की.	ٹخنہ چھوٹا اور گول ہونا نشانی ہے دولت مندی کی۔
टख़ना बुलन्द और टेढ़ा हो निशानी है इफ़्लास की.	ٹخنہ بلند اور ٹیڑھا ہو نشانی ہے افلاس کی۔
अलामात अक़ब (एड़ी.)	**علامات عقب (ایڑی)**
एड़ी छोटी और नर्म निशानी है दौलतमन्दी की.	ایڑی چھوٹی اور نرم نشانی ہے دولت مندی کی۔
एड़ी बड़ी और टेढ़ी निशानी है - इफ़्लास की.	ایڑی بڑی اور ٹیڑھی نشانی ہے افلاس کی۔
एड़ी पुरगोश्त जो वक़्त चलने के चौड़ी होजाती हो ऐसा शख़्स अक्सर चोर होता है.	ایڑی پرگوشت جو وقت چلنے کے چوڑی ہوجاتی ہو۔ ایسا شخص اکثر چور ہوتا ہے
अलामात पुश्त पा (पांव की पीठ.)	**علامات پشت پا (پاؤں کی پیٹھ)**
पाँव की पीठ का बुलन्द होना और कम बाल होना निशानी है नेकबख़्ती और ख़ुश मिज़ाजी की.	پاؤں کی پیٹھ کا بلند ہونا اور کم بال ہونا نشانی ہے نیک بختی اور خوش مزاجی کی۔

ران کا سخت ہونا اور بالون کا اس پر کم ہونا نشانی دولت مندی کی ہے۔	रान का सख्त होना और बालों का उसपर कम होना निशानी दौलत मन्दी है.
پنڈلی بالوں سے بھری ہوئی گٹھیلی ہو وہ اکثر پیادہ چلے گا۔ اور تنگدست رہے گا۔	पिंडली बालों से भरी हुई गठीली हो वह अक्सर प्यादापा चलेगा और तंगदस्त रहेगा.
پنڈلی بہت لمبی دلیل تکبر اور حسد ہے۔	पिंडली बहुत लम्बी दलील तकब्बुर और हसद है.
پنڈلی بہت چھوٹی نشانی ہے افلاس کی۔	पिंडली बहुत छोटी निशानी है इफ्लास की.
پنڈلی درمیانی نہ زیادہ لمبی اور نہ زیادہ چھوٹی اور نہ بہت موٹی اور نہ بہت باریک نشانی ہے شجاعت سخاوت اور نیک بختی اور خوش مزاجی کی۔	पिंडली दरमियानी न ज़्यादा लम्बी और न ज़्यादा छोटी और न बहुत मोटी और न बहुत बारीक निशानी है शुजाअत, सखावत और नेक बख्ती और खुशमिज़ाजी की.
علامات کعب (ٹخنہ)	**अलामात कअब (टखना.)**
ٹخنے پر گوشت ہونا نشانی ہے آسودگی کی۔	टखने पर गोश्त होना निशानी है आसूदगी की.

उंगलियों का मोटा और टेढ़ा और सरख्त होना निशानी है बदबख्ती की.

उंगलियों के बंद करने में अगर सूराख दिखलाई दें तो निशानी है मुफ़लिसी और फ़िज़ूल खर्ची की.

और अगर सूराख ज़ाहिर नहों तो यह दलील है दौलत और दिल-जमई की.

अलामात नाखुन.

लाल रंग होना दलील है अक्ल और इल्म और ज़िहानत और सरख़ावत की.

रंग ज़र्द और स्याह निशानी है मुफ़लिसी और बद नसीबी और परेशानी की.

अलामात रान व साक़ (पिंडली).

रान का पुरगोश्त होना दलील है ऐश व इशरत की.

انگلیوں کا موٹا اور ٹیڑھا اور سخت ہونا نشانی ہے بدبختی کی۔

انگلیوں کے بند کرنے میں اگر سوراخ دکھلائی دیں تو نشانی ہے مفلسی اور فضول خرچی کی۔

اور اگر سوراخ ظاہر نہ ہوں تو یہ دلیل ہے دولت اور دل جمعی کی۔

علامات ناخن

لال رنگ ہونا دلیل ہے عقل اور علم اور ذہانت اور سخاوت کی۔

رنگ زرد اور سیاہ نشانی ہے مفلسی اور بدنصیبی اور پریشانی کی۔

علامات ران و ساق (پنڈلی)

ران کا پُر گوشت ہونا دلیل ہے عیش و عشرت کی۔

علامات کفِ دست (ہاتھ کی ہتیلی)	**अलामात कफ़े दस्त** (हाथ की हतेली.)
ہتیلی کا پُر گوشت ہونا نشانی ہے دولت مندی کی۔	हतेली का पुरगोश्त होना निशानी है दौलतमन्दी की.
اور سُرخ رنگ ہونا نشانی ہے نیکی اور خوش مزاجی کی۔	और सुर्ख़ रंग होना निशानी है नेकी और खुश मिज़ाजी की.
اور زرد رنگ ہونا نشانی ہے بدچلنی کی۔	और ज़र्द रंग होना निशानी है बदचलनी की.
اور سپید اور سیاہ ہونا دلیل ہے بدبختی کی۔	और सफ़ेद और स्याह होना दलील है बदबख़्ती की.
لکیروں کا ہتیلی میں بہت ہونا یا کم ہونا دونوں بُرے ہیں۔	लकीरों का हतेली में बहुत होना या कम होना दोनों बुरे हैं.
بلکہ متوسط ہونا نشانی ہے نیکی اور خوش نصیبی کی۔	बल्कि मुतवस्सित होना निशानी है नेकी और खुशनसीबी की.
علامات انگشتان (انگلیاں)	**अलामात अंगुश्तां** (उंगलियां.)
انگلیوں کا لمبا ہونا دلیل درازی عُمر ہے۔	उंगलियों का लम्बा होना दलील दराज़ी उम्र है.
انگلیوں کا باریک پتلی اور نرم ہونا دلیل ہے نیک بختی کی۔	उंगलियों का बारीक पतली और नर्म होना दलील है नेक बख़्ती की.

कुबड़ापन निशानी है कीना और अदावत की.

और क़द दरमियाना निशानी समझदारी और ज़िहानत और एतदाल मिज़ाजी और साफ़ बातिनी की.

अलामात रफ़्तार.

जिस शख़्स की टेढ़ी चाल होगी वह बुज़ुर्गों को बुराई से याद करेगा.

तेज़ और तुन्द चलना निशानी है ग़ुस्सा और जिहालत की.

आहिस्ता चलना निशानी है ग़मगीनी की.

और दरमियानी चाल चलना निशानी है ज़ाहिरी और बातिनी ख़ूबियों की.

चलते वक़्त पाऊं ज़मीन पर ज़ोर से मारना निशानी है बदबख़्ती और मुफ़लिसी की.

लम्बे २ क़दम रखना निशानी है जिहालत की.

کبڑا پن نشانی ہے کینہ اور عداوت کی۔

اور قد درمیانہ نشانی سمجھداری اور ذہانت اور اعتدال مزاجی اور صاف باطنی کی۔

علامات رفتار

جس شخص کی ٹیڑھی چال ہوگی۔ وہ بزرگوں کو برائی سے یاد کریگا۔

تیز اور تند چلنا نشانی ہے غصہ اور جہالت کی۔

آہستہ چلنا نشانی ہے غمگینی کی۔

اور درمیانی چال چلنا نشانی ہے ظاہری اور باطنی خوبیوں کی۔

چلتے وقت پاؤں زمین پر زور سے مارنا نشانی ہے بدبختی اور مفلسی کی۔

لمبے لمبے قدم رکھنا نشانی ہے جہالت کی

और बुरा आवाज़ का होना निशानी है बेवक़ूफ़ और बदज़ात होनेकी.

आहिस्तगी और नरमीसे बात करना दलील है अक़्ल और दानाई की.

जल्दी करना बात करने में निशानी है बदख़ुल्क़ी और नादानी की.

बात करते वक़्त हाथ को हरकत देना निशानी है समझदारी और ज़हानत की.

अलामात ख़न्दा (हंसी.)

क़हक़हा (बड़ा मारना) दलील है नादानी व बे हयाई की.

और मुस्कराना निशानी है हया और वक़ार और संजीदगी और ख़ुश अख़्लाक़ी की.

अलामात क़द.

क़द लम्बा होना दलील है नादानी की.

पस्ता क़द होना दलील है कितना अंगेज़ी की.

اور بُرا آواز کا ہونا نشانی ہے بیوقوف اور بدذات ہونے کی۔

آہستگی اور نرمی سے بات کہنا دلیل ہے عقل اور دانائی کی۔

جلدی کرنا بات کرنے میں نشانی ہے بدخلقی اور نادانی کی۔

بات کرتے وقت ہاتھ کو حرکت دینا نشانی ہے سمجھداری اور ذہانت کی۔

علامات خندہ (ہنسی)

قہقہا (ٹھٹھا مارنا) دلیل ہے نادانی اور بے حیائی کی۔

اور مسکرانا نشانی ہے حیا اور وقار اور سنجیدگی اور خوش اخلاقی کی۔

علامات قد

قد لمبا ہونا دلیل ہے نادانی کی۔

پستہ قد ہونا دلیل ہے فتنہ انگیزی کی

बाल निकले यह निशानी दौलत है.

और अगर दो बाल निकलें तो यह निशानी है हुनरमन्दी की.

और अगर तीन बाल निकलें तो यह निशानी है आबिद होने की.

और अगर चार बाल एक मसाम से निकलें तो यह निशानी है मुफलिसी और कमीनापन की.

बाल का बारीक होना निशानी है नेक बख्ती की.

बाल का मोटा होना बुरा है.

अलामात आवाज़

आवाज़ का बड़ा और बुलन्द होना दलील है बहादुरी की.

बारीक और नर्म निशानी है उम्दा अखलाक की.

गिनगिनाना अलामत तकब्बुर और गुरूर है.

ایک بال نکلے یہ نشانی دولت ہے

اور اگر دو بال نکلیں تو یہ نشانی ہے ہنرمندی کی۔

اور اگر تین بال نکلیں تو یہ نشانی ہے عابد ہونے کی۔

اور اگر چار بال ایک مسام سے نکلیں تو یہ نشانی ہے مفلسی اور کمینہ پن کی۔

بال کا باریک ہونا نشانی ہے نیک بختی کی۔

بال کا موٹا ہونا برا ہے۔

علامات آواز

آواز کا بڑا اور بلند ہونا دلیل ہے بہادری کی۔

باریک اور نرم نشانی ہے عمدہ اخلاق کی۔

گنگنانا علامت تکبر اور غرور ہے۔

और बातिन के अच्छे होने की.

हुक्मा कहते हैं कि बालों का दरम्याना होना निशानी है मर्दानगी और बहादुरी और अच्छे दिमाग़ होने की.

सीने और पेट पर बहुत बाल होना निशानी है बेवकूफ़ी और नादानी की.

और थोड़े बाल होना निशानी है ज़िहानत और पाकीज़गी तबा की.

बाल के पीले रंग का होना निशानी है नादानी और जल्द रंजीदा होजाने की.

बालों का सुरख़ी माइल होना निशानी है शुजाअत और सेहत दिमाग़ की.

बाल स्याह अलामत है अक्ल और अमानत की.

बालों का दरमियाना होना स्याही, सरख़ी और नरमी में निशानी है अक्ल और एतेदाल मिज़ाजी की.

और जिस के हर मसाम से एक एक

اور باطن کے اچھے ہونے کی۔

حکماء کہتے ہیں کہ بالوں کا درمیانہ ہونا نشانی ہے مردانگی اور بہادری اور اچھے دماغ ہونے کی۔

سینہ اور پیٹ پر بہت بال ہونا نشانی ہے بیوقوفی اور نادانی کی۔

اور تھوڑے بال ہونا نشانی ہے ذہانت اور پاکیزگی طبع کی۔

بال کے پیلے رنگ کا ہونا نشانی ہے نادانی اور جلد رنجیدہ ہوجانیکی۔

بالوں کا سُرخی مائل ہونا نشانی ہے شجاعت اور صحت دماغ کی۔

بال سیاہ علامت ہے عقل اور امانت کی۔

بالوں کا درمیانہ ہونا سیاہی سختی اور نرمی میں نشانی ہے عقل اور اعتدال مزاجی کی۔

اور جس کے ہر مسام سے ایک

نرمی بدن

جسم کا نرم ہونا نشانی ہے
سمجھ کے قوی ہونے اور طبیعت
کے پاکیزہ ہونے کی۔

سختی بدن کی نشانی ہے بدن
کے قوی ہونے اور طبیعت کے
کندہ ہونے اور سمجھ کے ضعیف
ہونے کی۔

کھال کا نرم اور نازک ہونا
نشانی ہے نیک بختی اور نیکمزاجی کی۔

ملائمت موئے دبال،
بالوں کا سخت ہونا دلیل ہے
بہادری اور مستقل مزاجی کی۔

بالوں کا بہت نرم ہونا نشانی
ہے کم ہمتی اور خوف اور کم فہمی
کی۔

اور بالوں کا درمیانہ ہونا نرمی
اور سختی میں نشانی ہے ظاہر

نرمی بدن.

جسم کا نرم ہونا نشانی ہے سمجھ کے قوی ہونے اور طبیعت کے پاکیزہ ہونے کی.

سختی بدن کی نشانی ہے بدن کے قوی ہونے اور طبیعت کے کندہ ہونے اور سمجھ کے ضعیف ہونے کی.

کھال کا نرم اور نازک ہونا نشانی ہے نیک بختی اور نیکمزاجی کی.

ملائمت موئے (بال.)

بالوں کا سخت ہونا دلیل ہے بہادری اور مستقل مزاجی کی.

بالوں کا بہت نرم ہونا نشانی ہے کم ہمتی اور خوف اور کم فہمی کی.

اور بالوں کا درمیانہ ہونا نرمی اور سختی میں نشانی ہے ظاہر

ठोड़ी और चुग्गी डाढ़ी और तेज़ नज़र और कुशादा पेशानी भी हो और सर में बाल बहुत हों तो ऐसे शख़्स से परहेज़ करना और अपने को बचाना निहायत ज़रूरी है.

लाल रंग आग की तरह का होना निशानी है जल्द रन्जीदा होजाने और काम में जल्दी करने की.

रंग हरा निशानी है बद बातिनी (कपटी) की.

रंग सुर्ख़ और सफ़ेद दलील है उम्दा अख़्लाक़ की.

रंग सुर्ख़ मायल बस्याही-निशानी है बुरे अख़्लाक़ की.

रंग गंदुमी-निशानी है उम्दा अख़्लाक़ और अक़्ल और समझ और ज़हानत और नेक बख़्ती की.

ठोड़ी और चुग्गी दाढ़ी और तेज़ नज़र और कुशादा पेशानी भी हो और सर में बाल बहुत हों तो ऐसे शख़्स से परहेज़ करना और अपने को बचाना निहायत ज़रूरी है.

लाल रंग आग की तरह का होना निशानी है जल्द रन्जीदा होजाने और काम में जल्दी करने की.

रंग हरा निशानी है बद बातिनी (कपटी) की.

रंग सुर्ख़ और सफ़ेद दलील है उम्दा अख़्लाक़ की.

रंग सुर्ख़ मायल बस्याही-निशानी है बुरे अख़्लाक़ की.

रंग गंदुमी-निशानी है उम्दा अख़्लाक़ और अक़्ल और समझ और ज़हानत और नेक बख़्ती की.

علامات ناف

ناف بڑی اور گول نشانی ہے دولت اور نیک بختی کی۔

اور ناف بدوضع ہونا نشانی ہے نحوست کی۔

علامات پشت (پیٹھ)

پیٹھ کا چوڑا ہونا نشانی ہے غصہ اور تکبر کی۔

پیٹھ کا جھکا ہوا ہونا نشانی ہے بداخلاقی کی۔

پیٹھ کا لمبا ہونا نشانی ہے نحوست کی۔

پیٹھ کا درمیانہ ہونا نشانی ہے سعادت اور نیک بختی کی۔

علامات رنگ

رنگ زیادہ سفید ہونا ہمراہ نیلی اور ہری آنکھ کے نشانی ہے بے شرمی۔ بدچلنی۔ خیانت اور نادانی کی۔

اگر ان نشانیوں کے ساتھ باریک

علامات ناف

ناف بڑی اور گول نشانی ہے دولت اور نیک بختی کی۔

اور ناف بدوضع ہونا نشانی ہے نحوست کی۔

علامات پشت (پیٹھ)

پیٹھ کا چوڑا ہونا نشانی ہے غصہ اور تکبر کی۔

پیٹھ کا جھکا ہوا ہونا نشانی ہے بداخلاقی کی۔

پیٹھ کا لمبا ہونا نشانی ہے نحوست کی۔

پیٹھ کا درمیانہ ہونا نشانی ہے سعادت اور نیک بختی کی۔

علامات رنگ

رنگ زیادہ سفید ہونا ہمراہ نیلی اور ہری آنکھ کے نشانی ہے بے شرمی۔ بدچلنی۔ خیانت اور نادانی کی۔

اگر ان نشانیوں کے ساتھ باریک

علامات ناف.

ناف بڑی اور گول نشانی ہے دولت اور نیک بختی کی۔

اور ناف بدوضع ہونا نشانی ہے نحوست کی۔

علامات پشت (پیٹھ)

پیٹھ کا چوڑا ہونا نشانی ہے غصہ اور تکبر کی۔

پیٹھ کا جھکا ہوا ہونا نشانی ہے بداخلاقی کی۔

پیٹھ کا لمبا ہونا نشانی ہے نحوست کی۔

پیٹھ کا درمیانہ ہونا نشانی ہے سعادت اور نیک بختی کی۔

علامات رنگ

رنگ زیادہ سفید ہونا ہمراہ نیلی اور ہری آنکھ کے نشانی ہے بے شرمی۔ بدچلنی۔ خیانت اور نادانی کی۔

اگر ان نشانیوں کے ساتھ باریک

علامات ناف.

ناف بڑی اور گول نشانی ہے دولت اور نیک بختی کی۔

اور ناف بدوضع ہونا نشانی ہے نحوست کی۔

علامات پشت (پیٹھ)

پیٹھ کا چوڑا ہونا نشانی ہے غصہ اور تکبر کی۔

پیٹھ کا جھکا ہوا ہونا نشانی ہے بداخلاقی کی۔

پیٹھ کا لمبا ہونا نشانی ہے نحوست کی۔

پیٹھ کا درمیانہ ہونا نشانی ہے سعادت اور نیک بختی کی۔

علامات رنگ

رنگ زیادہ سفید ہونا ہمراہ نیلی اور ہری آنکھ کے نشانی ہے بے شرمی۔ بدچلنی۔ خیانت اور نادانی کی۔

اگر ان نشانیوں کے ساتھ باریک

اور ایک کا چھوٹا ہونا اور دوسری کا بڑا ہونا علامت ہے بدبختی کی۔

علامات شکم (پیٹ)

پیٹ کا بڑا ہونا دلیل ہے نامردی اور نادانی کی۔ الّا ماشاء اللہ۔

پیٹ کا درمیانہ ہونا نشانی ہے عمدہ رائے ہونے اور سلجھی عقل اور تیزی سمجھ کی۔

پیٹ پر اگر ایک لکیر ہو یعنی (بٹ) تو اُس کی موت تلوار سے ہوگی۔

اور اگر دو لکیریں ہوں تو وہ صحبت نسواں کو پسند کرے گا۔

اور اگر تین یا چار یا پانچ لکیریں ہوں تو نشانی ہے علم و عقل اور ہوشیاری کی۔

اور اگر ایک بھی لکیر نہ ہو تو ایسا شخص اقبال مند ہوتا ہے۔

اور ایک का छोटा होना और दूसरी का बड़ा होना अलामत है बद-बख़्ती की.

अलामात शिकम (पेट.)

पेट का बड़ा होना दलील है नामर्दी और नादानी की इल्ला माशाअल्ला.

पेट का दरमियाना होना निशानी है उम्दा राय होने और सुलझी अक़्ल और तेज़ी समझ की

पेट पर अगर एक लकीर हो-यानी (बट) तो उस की मौत तलवार से होगी.

और अगर दो लकीरें होंतो वह सोहबत निसवां को पसंद करेगा.

और अगर तीन या चार या पांच लकीरें हों तो निशानी है इल्म व अक़्ल व होशयारी की.

और अगर एक भी लकीर न होतो ऐसा शख़्स बख़्तावरमन्द होता है.

बालों से निशानी है अक्ल और दौलतमन्दी और नेकबख्ती और खुशमिज़ाजी की.

अलामात बग़ल व बाज़ू.

बाज़ू लम्बा और बग़ल पुरगोश्त होना निशानी है नेकबख्ती और ज़्यादती रिज़्क की.

बाज़ू का छोटा होना और बग़ल का खुश्क होना निशानी है मुफ़लिसी की.

अलामात सीना.

सीने का कुशादा होना और पुरगोश्त होना निशानी है नेकबख्ती की.

सीने का तंग होना और कम गोश्त होना निशानी है नहूसत और बदनसीबी की.

अलामात पिस्ताँ (छाती)

दोनों पिस्तानों का बड़ा होना निशानी है दौलत और औलाद की.

बालों से निशानी है अक्ल और दौलतमन्दी और नेकबख्ती और खुशमिज़ाजी की.

علامات بغل وبازو

بازو لمبا اور بغل پر گوشت ہونا نشانی ہے نیک بختی اور زیادتی رزق کی.

بازو کا چھوٹا ہونا اور بغل کا خشک ہونا نشانی ہے مفلسی کی.

علامات سینہ

سینے کا کشادہ ہونا اور پُر گوشت ہونا نشانی ہے نیک بختی کی.

سینے کا تنگ ہونا اور کم گوشت ہونا نشانی ہے نحوست اور بدنصیبی کی.

علامات پستاں (چھاتی)

دونوں پستانوں کا بڑا ہونا نشانی ہے دولت اور اولاد کی

अलामात मुहासिन (डाढ़ी.)

डाढ़ी का चुग्गी होना दलील है जोदत और ज़िहानत की.

डाढ़ी का गोल होना दलील है विक़ार और संजीदगी की.

डाढ़ी का बहुत लम्बा होना दलील है हिमाक़त और नादानी की, इल्ला माशा अल्ला.

डाढ़ी का गुन्जान होना निशानी है ना समझ और नादान होने की.

अलामात कतफ़ (कन्धा.)

कंधों का दुबला होना निशानी है बुरी आदत होने की.

कंधों का चकला होना निशानी है शुजाअत और कम अक्ली की.

कंधों का बालों से भरा होना निशानी है मुफ़लिसी की.

कंधों का मुतवस्सित और साफ़

علامات محاسن (داڑھی)

داڑھی کا چگی ہونا دلیل ہے جودت اور ذہانت کی۔

داڑھی کا گول ہونا دلیل ہے وقار اور سنجیدگی کی۔

داڑھی کا بہت لمبا ہونا دلیل ہے حماقت اور نادانی کی۔ الّا ماشاءاللہ۔

داڑھی کا گنجان ہونا نشانی ہے ناسمجھ اور نادان ہونے کی۔

علامات کتف (کندھا)

کندھوں کا دُبلا ہونا نشانی ہے بُری عادت ہونے کی۔

کندھوں کا چکلا ہونا نشانی ہے شجاعت اور کم عقلی کی۔

کندھوں کا بالوں سے بھرا ہونا نشانی ہے مفلسی کی۔

کندھوں کا متوسط اور صاف ہونا

यह दलील है दराज़ी उम्र की.

अगर दो लकीरें होंतो निशानी है हुनरमन्दी की.

अगर तीन लकीरें होंतो निशानी है दौलतमन्दी की.

अलामात-चेहरा.

चहरा पुरगोश्त होना दलीलहै काहिली निस्यानजिहालत और बद मिज़ाजी की.

चेहरा खुश्क और कम गोश्त निशानी है बदबातिनी की.

और दरमियाना निशानी है नेक मिज़ाजी की.

ज़रदी रंग चेहरा निशानीहै बद बातिनी की.

और सफ़ेदी और सुरखी चेहरे की दलील है सच्चाई और अमानतदारी की.

ہے درازی عُمر کی۔

اگر دو لکیریں ہوں تو نشانی ہے ہنرمندی کی۔

اگر تین لکیریں ہوں تو نشانی ہے دولت مندی کی۔

علامات چہرہ

چہرہ پُر گوشت ہونا دلیل ہے کاہلی نسیان جہالت اور بدمزاجی کی۔

چہرہ خشک اور کم گوشت نشانی ہے بد باطنی کی۔

اور درمیانہ نشانی ہے نیکمزاجی کی۔

زردی رنگ چہرہ نشانی ہے بد باطنی کی۔

اور سفیدی اور سُرخی چہرے کی دلیل ہے سچائی اور امانتداری کی۔

स्याह और ज़र्द होना निशानी है
बदमिज़ाजी और नहूसत की.

अलामात ज़नख़ (ठोड़ी)

ठोड़ी का बारीक होना अलामत है
नेक मिज़ाजी की.

ठोड़ी का पुरगोश्त होना निशानी
है जिहालत और तकब्बुर की.

ठोड़ी का मुतवस्सित होना दलील है
अक्ल और हुनर की.

अलामात गरदन.

छोटी गरदन होना निशानी है
मक्कार व ख़ायन होने की.

लम्बी और पतली गरदन निशा-
नी है बुज़दिली और हिमाक़त की.

और मोटी गरदन निशानी है
सच्चाई और मुन्सिफ मिज़ाजी और
मुदब्बिर होने की.

अगर गरदन में एक लकीर हो तो

سیاہ اور زرد ہونا نشانی
ہے بدمزاجی اور نحوست کی۔

علامات زنخ (ٹھوڑی)

ٹھوڑی کا باریک ہونا علامت ہے
نیک مزاجی کی۔

ٹھوڑی کا پُرگوشت ہونا نشانی
ہے جہالت اور تکبّر کی۔

ٹھوڑی کا متوسط ہونا دلیل ہے
عقل و ہنر کی۔

علامات گردن

چھوٹی گردن ہونا نشانی ہے
مکار و خائن ہونے کی۔

لمبی اور پتلی گردن نشانی ہے
بُزدلی اور حماقت کی۔

اور موٹی گردن نشانی ہے
سچائی اور منصف مزاجی اور مدبّر
ہونے کی۔

اگر گردن میں ایک لکیر ہو تو یہ دلیل

अलामात दंदाँ (दांत)

दांत बहुत बड़े और मिले हुवे दलील है शरारत की.

दांत बहुत छोटे छिदरे दलील है तन्दुरुस्ती की.

दांत टेढे और ना हमवार निशानी है मक्र और खयानत की.

मुत्फर्रिक़ दांत और हमवार और मुतवस्सित निशानी है नेकी और मुन्सिफ़ मिज़ाजी और अमानतदारीकी.

तीस ३० से बत्तीस ३२ तक दांतों का होना निशानी है दौलतमन्दी और समझदारी की.

और तीस से कम होना निशानी है इफ़लास और मुसीबत की.

अलामात तालू व ज़ुबान.

तालू और ज़ुबान का लाल होना निशानी है नेक बख़्ती और नेक मिज़ाजी की.

علامات دنداں (دانت)

دانت بہت بڑے بڑے اور ملے ہوئے دلیل ہے شرارت کی۔

دانت بہت چھوٹے چھدرے دلیل ہے تندرستی کی۔

دانت ٹیڑھے اور ناہموار نشانی ہے مکر اور خیانت کی۔

متفرق دانت اور ہموار اور متوسط نشانی ہے نیکی اور منصف مزاجی اور امانت داری کی۔

تیس ۳۰ سے بتیس ۳۲ تک دانتوں کا ہونا نشانی ہے دولت مندی اور سمجھ داری کی۔

اور تیس سے کم ہونا نشانی ہے افلاس اور مصیبت کی۔

علامات تالو وزباں

تالو اور زبان کا لال ہونا نشانی ہے نیک بختی اور نیک مزاجی کی

होंठ का बारीक होना निशानी है समझदारी और तबीअत के पाकीज़ा होने की.

होंठ का सुर्ख और सुतवस्सित होना निशानी है नेक बख्ती और खुशतीनत और राय दुरुस्त होने की.

होंटों का नीला और सियाह होना निशानी है बदमिज़ाजी और बद बातिनी की.

होंठ का सफ़ेद होना निशानी है बीमारी की.

अलामात दहन (मुंह)

मुंह का फ़राख होना दलील है बहादुरी और सही राय होने की.

मुंह का तंग होना दलील है खौफ़ और बुज़दिली की.

औरतों का मुंह चौड़ा होना दलील है ज़्यादती ख्वाहिश मुबाशरत की.

होंठ کا باریک ہونا نشانی ہے سمجھداری اور طبیعت کی پاکیزہ ہونے کی۔

ہونٹ کا سُرخ اور متوسط ہونا نشانی ہے نیک بختی اور خوش طینت اور رائے درست ہونے کی۔

ہونٹوں کا نیلا اور سیاہ ہونا نشانی ہے بدمزاجی اور بد باطنی کی۔

ہونٹ کا سفید ہونا نشانی ہے بیماری کی۔

علامات دہن (مُنہ)

مُنہ کا فراخ ہونا دلیل ہے بہادری اور صحیح رائے ہونے کی۔

مُنہ کا تنگ ہونا دلیل ہے خوف اور بزدلی کی۔

عورتوں کا مُنہ چوڑا ہونا دلیل ہے زیادتی خواہش مباشرت کی۔

علامات بینی (ناک)

پتلی ناک نشانی ہے سبکی اور کم عقلی کی۔

چوڑے اور بڑے نتھنے ہونا دلیل ہے غصہ ناکی اور شہوت پرست ہونیکی۔

ٹیڑھی ناک نشانی ہے شرارت اور نفاق کی۔

ناک بڑی اور لمبی اور نوک جھکی ہوئی دلیل ہے دولتمندی اور خوشحالی کی۔

ناک متوسط بلندی و پستی میں نشانی ہے عمدہ حواس ہونے کی۔

ناک درمیان سے دبی ہوئی نشانی ہے افلاس اور تنگدستی کی۔

علامات لب (ہونٹ)

ہونٹ کا موٹا ہونا نشانی ہے حماقت اور کند ذہنی اور کینہ وری کی۔

अलामात बीनी (नाक)

पतली नाक निशानी है सुबकी और कम अक्ली की.

चौड़े और बड़े नथने होना दलील है गुस्सानाकी और शेहवत परस्त होनेकी.

टेढ़ी नाक निशानी है शरारत और निफ़ाक़ की.

नाक बड़ी और लम्बी और नोक झुकी हुई दलील है दौलतमन्दी और खुशहाली की.

नाक मुतवस्सित बुलन्दी व पस्ती में निशानी है उम्दा हवास होने की.

नाक दरमियान से दबी हुई निशानी है इफ़लास और तंगदस्ती की.

अलामात लब (होंठ)

होंठ का मोटा होना निशानी है हिमाक़त और कुन्द ज़ेहनी और कीनावरी की.

आंख कन्जी बदतरीन चश्म है और दलील है बुख़्ल और बेहयाई और बेग़ैरती की.	آنکھ کنجی بدترین چشم ہے اور دلیل ہے بخل اور بے حیائی اور بے غیرتی کی۔
आंख नीली और छोटी और काटने वाली निशानी है मक्कार और हीला साज़ और शहवत परस्त होनेकी.	آنکھ نیلی اور چھوٹی اور کاٹنے والی نشانی ہے مکار اور حیلہ ساز اور شہوت پرست ہونے کی۔
गोल आंख मनहूस है	گول آنکھ منحوس ہے۔
आंख माइल बदराज़ी मुबारिक और निशानी है नेक बख़्ती की.	آنکھ مائل بدرازی مبارک اور نشانی ہے نیک بختی کے۔
सुर्ख़ डोरों का सफ़ेदी में होना निशानी है शेहवत की.	سُرخ ڈوروں کا سپیدی میں ہونا نشانی ہے شہوت کی۔
अलामात गोश (कान)	**علامات گوش (کان)**
बड़ा कान होना निशानी है हाफ़िज़ा क़वी होने - और उम्र दराज़ होने की.	بڑا کان ہونا نشانی ہے حافظہ قوی ہونے اور عمر دراز ہونے کی۔
कान दरमियाना होना निशानी है अक़्ल और दानाई और नेकी की.	کان درمیانہ ہونا نشانی ہے عقل اور دانائی اور نیکی کی۔
कान की लो का गोश्त से भरा होना दलील है दौलतमन्दी की.	کان کی لو کا گوشت سے بھرا ہونا دلیل ہے دولتمندی کی۔

अलामात चश्म (आंख)	**علامات چشم (آنکھ)**
आंख काली और बड़ी होना निशानी है सुसती व काहिली की.	آنکھ کالی اور بڑی ہونا نشانی ہے سستی اور کاہلی کی -
और आंख छोटी दलील है कम फ़ेहमी व छछोरेपन की.	اور آنکھ چھوٹی دلیل ہے کم فہمی و چھچھورے پن کی -
आंख दरमियानी निशानी है वफ़ादार और बाहया और उम्दा अख़लाक़ और अच्छी आदत होने की.	آنکھ درمیانی نشانی ہے وفادار اور باحیا اور عمدہ اخلاق اور اچھی عادت ہونے کی
घुसी हुई आंख निशानी है तकब्बुर और बदबातनी और ख़्यानत और बदज़ात होने की.	گھسی ہوئی آنکھ نشانی ہے تکبر اور بدباطنی اور خیانت اور بدذات ہونے کی -
आंख उठी हुई और बुलंद निशानी है बेहयाई और बुख़्ल की.	آنکھ اٹھی ہوئی اور بلند نشانی ہے بےحیائی اور بخل کی -
आंख जल्द २ मारना निशानी है मक्र और हीला और चोरी की.	آنکھ جلد جلد مارنا نشانی ہے مکر اور حیلہ اور چوری کی -
आंख सुर्ख़ होना बग़ैर बीमारी के निशानी है उम्र दराज़ और बहादुर होने की.	آنکھ سرخ ہونا بغیر بیماری کے نشانی ہے عمر دراز اور بہادر ہونے کی -

व जेहल व तंगदस्ती की.	وجہل و تنگدستی کی۔
दोनों भवों का मिला हुवा होना दलील है मोहब्बत व शफ़क़त की अगर मर्द की दोनों भवें मिली हों तो वह औरत की जानिब ज़्यादा माइल होगा. और अगर औरत की दोनों भवें मिली हैं तो वह मर्द की जानिब ज़्यादा माइल होगी.	دونوں بھوں کا ملا ہوا ہونا دلیل ہے محبت و شفقت کی۔ اگر مرد کی دونوں بھوں ملی ہوں تو وہ عورت کی جانب زیادہ مائل ہوگا۔ اور اگر عورت کی دونوں بھوں ملی ہیں تو وہ مرد کی جانب زیادہ مائل ہوگی۔
और भवों का मुतवस्सित होना अर्ज़ और तूल और स्याही में निशानी है समझदारी, ज़हानत व अमानतदारी और तबीअत के पाकीज़ा होने की.	اور بھوں کا متوسط ہونا عرض اور طول اور سیاہی میں نشانی ہے سمجھداری ذہانت و امانت داری اور طبیعت کے پاکیزہ ہونے کی۔
भवों का सिरा जो नाक की जानिब है अगर बारीक हो दलील है फ़सादी व फ़ितना अंगेज़ होने की.	بھوں کا سرا جو ناک کی جانب ہے اگر باریک ہو تو دلیل ہے فسادی و فتنہ انگیز ہونے کی۔
भवों का बुलन्द होना निशानी है नादानी और गुरूर की.	بھوں کا بلند ہونا نشانی ہے نادانی اور غرور کی۔
और भवों के बालों का दराज़ होना दलील है हिम्मत और शुजाअत और तुन्दखूई की.	اور بھوں کے بالوں کا دراز ہونا دلیل ہے ہمت اور شجاعت اور تندخوئی کی

کی-

ماتھے کا متوسط ہونا بلندی و فراخی میں جس میں چین و شکن ہوں نشانی ہے سچائی و محبت و عقل و فہم و تدبیر و ہوشیاری و نصیبہ وری کی-

ماتھا تنگ و باریک دلیل ہے بے حیائی نادانی کم ہمتی و کمینہ پن و بخیلی و تکلیف و افلاس کی-

اور چین درمیان دونوں بھوں اور پیشانی کے سر کی طرف سے ناک کی جانب دلیل ہے غصہ و غضب و غمگینی کی-

علامات ابرو (بھوں)

بڑی اور لمبی بھوں کھینچی ہوئی اور بالوں سے بھری ہوئی نشانی ہے سختی و بدمزاجی و خودی و تکبر

سرور ہونے کی.

ماتھے کا متوسط ہونا بلندی و فراخی میں جس میں چین و شکن ہوں نشانی ہے سچائی و محبت و عقل و فہم و تدبیر و ہوشیاری و نصیبہ وری کی.

ماتھا تنگ و باریک دلیل ہے بے حیائی نادانی کم ہمتی و کمینہ پن و بخیلی و تکلیف و افلاس کی.

اور چین درمیان دونوں بھوں اور پیشانی کے سر کی طرف سے ناک کی جانب دلیل ہے غصہ و غضب و غمگینی کی.

علامات ابرو (بھوں)

بڑی اور لمبی بھوں، کھینچی ہوئی اور بالوں سے بھری ہوئی نشانی ہے

अक़्लमन्दों के लिखा जाता है इस इल्म क़्याफ़े पर जिस शख़्स को पूरा उबूर होगा उम्मीद है कि वह किसी बद-ज़ात और बद अफ़्आल आदमी के धोके में कम आवेगा. और अच्छे आदमी की इज़्ज़त या क़द्र करेगा.

अलामात सर.

बड़ा सर और गोल और हमवार और बालों से भरा हुवा दलील है अक़्ल व होशयारी व फ़ेहम व दानाई, क़्यासत व फ़रासत व हिम्मत व सख़ावत की.

सर छोटा ना हमवार कम बालों का दलील है हिमाक़त, जिहालत कुन्द ज़हनी और ख़ुदग़ल होने की.

अलामात पेशानी (माथा)

माथा कुशादा व बे चैन वशिकन निशानी है झगड़ालू, बद बातिन व फ़िज़ूलगो, ग़ुस्सी, मुतकब्बिर, मग़-

अक़्लमन्दों के लिखा जाता है इस इल्म क़्याफ़े पर जिस शख़्स को पूरा उबूर होगा. उम्मीद है कि वह किसी बद-ज़ात और बद अफ़्आल आदमी के धोके में कम आवेगा. और अच्छे आदमी की इज़्ज़त या क़द्र करेगा.

علامات سر

بڑا سر اور گول اور ہموار اور بالوں سے بھرا ہوا دلیل ہے عقل وہوشیاری وفہم ودانائی کیاست وفراست وہمت وسخاوت کی۔

سر چھوٹا ناہموار کم بالوں کا دلیل ہے حماقت جہالت کند ذہنی اور کھٹل ہونے کی۔

علامات پیشانی (ماتھا)

ماتھا کشادہ و بے چین وشکن نشانی ہے جھگڑالو بد باطن وفضول گو گپی متکبر مغرور ہونے

عقلمندوں کے لکھا جاتا ہے اس علم القیافہ پر جس شخص کو پورا عبور ہوگا۔ امید ہے کہ وہ کسی بدذات اور بداطوار آدمی کے دھوکے میں کم آوے گا۔ اور اچھے آدمی کی عزت وقدر کرے گا۔

تحقیقات کر کے انصاف کیا۔

حکایت

ایک شخص رات کو کتاب پڑھ رہا تھا۔ کتاب میں لکھا دیکھا کہ جسکی داڑھی بہت لمبی ہوتی ہے وہ شخص احمق ہوتا ہے۔ غور کی تو اپنی داڑھی کو اندازسے زیادہ لمبی پائی۔ داڑھی کو مٹھی میں پکڑ کر باقی داڑھی کو چراغ کے سامنے کیا تاکہ جو زیادہ ہے جل جاوے۔ اور جو مٹھی میں ہے وہ بچکر اعتدال پر رہ جائے۔ چراغ کا شعلہ جب داڑھی میں لگا تو تمام داڑھی جل گئی دلیل قیافہ کی پوری ہوئی

بیان علم القیافہ

بعد اس ذکر و تمہید کے بیان علامات اعضاء انسانی کا سر سے پیر تک مطابق تجربہ حکیموں اور

ہنسا اور تحقیقات کرکے انصاف کیا۔

حکایت

ایک شخص رات کو کتاب پڑھ رہا تھا۔ کتاب میں لکھا دیکھا کہ جسکی داڑھی بہت لمبی ہوتی ہے وہ شخص احمق ہوتا ہے۔ غور کی تو اپنی داڑھی کو اندازسے زیادہ لمبی پائی۔ داڑھی کو مٹھی میں پکڑ کر باقی داڑھی کو چراغ کے سامنے کیا تاکہ جو زیادہ ہے جل جاوے۔ اور جو مٹھی میں ہے وہ بچکر اعتدال پر رہ جائے۔ چراغ کا شعلہ جب داڑھی میں لگا تو تمام داڑھی جل گئی دلیل قیافہ کی پوری ہوئی

بیان علم القیافہ

بعد اس ذکر و تمہید کے بیان علامات اعضاء انسانی کا سر سے پیر تک مطابق تجربہ حکیموں اور

पस्ताक़द आदमी नोशेरवां की अदालत में दादख़्वाही को आया और कहा कि मुझपर फ़लां शख़्स ने जुल्म किया है नोशेरवां ने कहा तू ग़लत कहता है इल्मुलक़्याफ़े में लिखा है कि पस्ताक़द आदमी सर्कश मक्कार व ज़ालिम होता है- यह शख़्स मज़लूम नहीं है- बाद अज़ां तहक़ीक़ात की गई तो नोशेरवां का ख़्याल ठीक निकला दोबारा फिर एक पस्ताक़द आदमी नोशेरवां के पास दादख़्वाही को आया और कहा फ़लां शख़्स ने मुझपर जुल्म किया है नोशेरवां ने कहा पस्ताक़द पर कोई जुल्म नहीं करता बल्कि वह ख़ुद ज़ालिम होता है उस शख़्स ने अर्ज़ की कि जिस शख़्स ने मुझपर जुल्म किया है वह मुझसे भी ज़्यादा पस्ताक़द है-नोशेरवां

निहायत पस्ताक़द आदमी नोशेरवां की अदालत में दादख़्वाही को आया- और कहा कि मुझपर फ़लां शख़्स ने ज़ुल्म किया है- नोशेरवां ने कहा तू ग़लत कहता है इल्मुलक़्याफ़े में लिखा है कि पस्ताक़द आदमी सर्कश मक्कार और ज़ालिम होता है- यह शख़्स मज़लूम नहीं है- बाद अज़ां तहक़ीक़ात की गई तो नोशेरवां का ख़्याल ठीक निकला- दोबारा फिर एक पस्ताक़द आदमी नोशेरवां के पास दादख़्वाही को आया- और कहा फ़लां शख़्स ने मुझपर ज़ुल्म किया है- नोशेरवां ने कहा पस्ताक़द पर कोई ज़ुल्म नहीं करता बल्कि वह ख़ुद ज़ालिम होता है- उस शख़्स ने अर्ज़ की कि जिस शख़्स ने मुझपर ज़ुल्म किया है वह मुझसे भी ज़्यादा पस्ताक़द है- नोशेरवां हंसा और

ایک روز ایک شخص بڑے لوگوں
میں سے ملنے کو آیا۔ مصور نے اُس
کی تصویر تیار کر کے پیش کی حکیم افلاطون
نے انکار کیا۔ اور کہا کہ یہ شخص
بداخلاق ہے۔ ہمارے ملنے کے
قابل نہیں ہے۔ جب یہ اطلاع اُس
شخص کے پاس پہونچی تو اُس نے
مگر پیام افلاطون کے پاس بھیجا
کہ آپ نے از روئے علم القیافہ
میرے اخلاق کے متعلق جو معلومات
کی ہے وہ ٹھیک ہے۔ پہلے میرے
اخلاق ایسے ہی تھے۔ مگر میں نے
کوشش کر کے اُن کی اصلاح کر لی
ہے۔ اور بدل دیا ہے۔ پھر افلاطون
نے اُس کو بلا لیا۔ اور اپنی ملاقات
کا شرف بخشا۔

حکایت

بیان کرتے ہیں کہ ایک روز ایک

کرتے تھا ایک روز ایک شرعس بڑے لو-
گوں میں سے ملنے کو آیا مصور نے
اُس کی تصویر تیار کر کے پیش کی حکیم افلاطون
نے انکار کیا۔ اور کہا کہ یہ شخص
بداخلاق ہے۔ ہمارے ملنے کے
قابل نہیں ہے جب یہ اطلاع اُس
شخص کے پاس پہونچی تو اُس نے
مگر پیام افلاطون کے پاس بھیجا
کہ آپ نے از روئے علم القیافہ
میرے اخلاق کے متعلق جو معلومات
کی ہے وہ ٹھیک ہے۔ پہلے میرے
اخلاق ایسے ہی تھے۔ مگر میں نے
کوشش کر کے اُن کی اصلاح کر لی
ہے۔ اور بدل دیا ہے۔ پھر افلاطون
نے اُس کو بلا لیا۔ اور اپنی ملاقات
کا شرف بخشا۔

हिकायत.

बयान करते हैं के एक रोज़ एक निहायत

मकान तय्यार कराया था उस पहाड़ पर
जाने का एक ही रास्ता था उस रास्ते
पर हकीम अफ़लातून ने एक मुस-
व्विर मुक़र्रर कर रखा था और उस
को हिदायत थी कि जो कोई हम से
मिलने आवे अव्वलन उस की तस-
वीर तय्यार करके हमारे सामने पेश
किया करो- ताकि अज़रूये इल्मुल-
क़याफ़ा उस के रूयाख़लात का अन्दा-
ज़ा करूं अगर लायक़ मिलने के होगा
तो मैं उस से मिलूंगा वरना इनकार
कर दूंगा पस वह मुसव्विर हस्ब इस
हिदायत के अमल करता था जो श-
ख़्स हकीम अफ़लातून से मुलाक़ात के
वास्ते आता अव्वलन उस की तस-
वीर खींच कर पेश करता था हकीम
अफ़लातून उस तसवीर पर ग़ौर -
करने के बाद बुलालेता था या इनकार

मकान बना रखा था- उस पहाड़ पर
जाने का एक ही रास्ता था- उस रास्ते
पर हकीम अफ़लातून ने एक मुसव्विर
कर रखा था- और उस को हदायत
थी कि जो कोई हम से मिलने आवे
अव्वल उस की तसवीर तय्यार कर के
हमारे सामने पेश किया करो- تاکہ
ازروئے علم القیافہ اس کے خیالات کا
اندازہ کروں- اگر لایق ملنے کے ہوگا-
تو میں اس سے ملوں گا ورنہ انکار کر دوں گا-
پس وہ مصوّر حسب اس ہدایت
کے عمل کرتا تھا- جو شخص حکیم
افلاطون سے ملاقات کے
واسطے آتا اوّلاً اس کی تصویر
کھینچ کر پیش کرتا تھا حکیم افلاطون
اس تصویر پر غور کرنے کے بعد
بُلا لیتا تھا یا انکار کر دیتا تھا-

चार रोज़ तो और अपने क़दमों की बरकत से मुझ को मुशर्रफ़ फ़रमावेंउस के बेहद गिड़गिड़ाने व इसरार करने से इमाम साहब ने हफ़्ता अशरह क़याम किया जब वक़्त रवानगी का आया तोउस मक्कार ने अपनी जेब से एक काग़ज़ निकाल कर पेश किया- वह काग़ज़ इख़राजात मेहमानी का था- इमामसाहब ने थोड़े तअम्मुल के बाद अपनातमाम सामान उस को एवज़ सर्फ़ा महमानी देदिया- कहते हैं कि उस शरब की आंखें नीली और अन्दर धुसी हुई थीं- ऐसी आंखें दलील मक्र, हीला, रयानत और बद बातिनी और बे शर्मी की होती हैं.

हिकायत.

यूनानियों के क़िस्सों में लिखा है कि अफ़लातून हकीम ने एक पहाड़ पर

रोज़ तो और अपने क़दमों की बरकत से मुझ को मुशर्रफ़ फ़रमावें- उस के बेहद गिड़गिड़ाने व इसरार करने से इमाम साहब ने हफ़्ता अशरह क़याम किया- जब वक़्त रवानगी का आया- तो उस मक्कार ने अपनी जेब से एक काग़ज़ निकाल कर पेश किया- वह काग़ज़ इख़राजात मेहमानी का था- इमाम साहब ने थोड़े से तअम्मुल के बाद अपना तमाम सामान उस को एवज़ सर्फ़ा मेहमानी देदिया- कहते हैं कि उस शरब की आंखें नीली और अन्दर धुसी हुई थीं- ऐसी आंखें दलील मक्र, हीला, रयानत और बद बातिनी और बे शर्मी की होती हैं.

हिकायत.

यूनानियों के क़िस्सों में लिखा है कि अफ़लातून हकीम ने एक पहाड़ पर

सकूनत दर्याफ़्त की जब उस को मा-
लूम हुवा कि यह इमाम जाफ़र सा-
दिक़ अलेहिस्सलाम हैं तो उनकी रका-
ब को बोसा दिया और बड़े अक़ीदे
के साथ पाऊं चूमे - और अर्ज़ की कि
हुज़ूर आली मेरे यहां की महमानी-
क़ुबूल फ़रमावें इमाम साहब ने हर-
चन्द उज़्र किया मगर वह न माना इमाम
साहब ने बावजूद इस के कि बरूये
इल्म नजफ़र उस के उयूब को मालूम
करलिया था मगर उस के इजज़ो
इन्कसारी करने से महमानी क़ुबू-
ल फ़रमाई - वह शख़्स इमाम सा०
को अपने घर ले गया और दावत की
जब सुबह इमाम साहब ने रवानगी
का क़स्द किया तो उसने अर्ज़ की
कि मेरे ऐसे नसीब कहां कि औलाद
रसूल मेरे यहां मेहमान हों भला दो

दरयाफ़्त की - जब उस को मालूम हुवा
कि यह इमाम जफ़र सादिक़ अलेहिस्सलाम
हैं तो उन के रकाब को बोसा दिया - और
बड़े अक़ीदे के साथ पाऊं चूमे - और अर्ज़ की
कि हुज़ूर आली मेरे यहां की महमानी -
क़ुबूल फ़रमावें इमाम साहब ने हर-
चन्द उज़्र किया मगर वह न माना - इमाम
साहब ने बावजूद इस के कि बरूये
इल्म नजफ़र उस के उयूब को मालूम
करलिया था मगर उस के इजज़ो
इन्कसारी करने से महमानी क़ुबू-
ल फ़रमाई - वह शख़्स इमाम सा०
को अपने घर ले गया - और दावत की
जब सुबह इमाम साहब ने रवानगी
का क़स्द किया तो उस ने अर्ज़ की
कि मेरे ऐसे नसीब कहां कि औलाद
रसूल मेरे यहां मेहमान हों - भला दो

فائدہ علم القیافہ

فائدہ اس علم کا دونوں شخصوں کو پہونچتا ہے۔

۱۔ جو شخص اپنے عیبوں پر مطلع ہو اُس کو چاہئے کہ اُن کے چھوڑنے پر سخت کوشش کرے تاکہ بُرائی اور عیبوں سے پاک ہو جاوے۔

۲۔ اور جس کو غیر کے عیوب سے آگاہی ہو اُس کو چاہئے کہ اُس کے شر سے بچنے کی کوشش کرے۔

تمثیلاً چند حکایتیں درج ذیل ہیں۔

حکایت

امام جعفر صادق علیہ السلام سفر میں تھے۔ ایک شہر میں ان کو ایک آدمی ملا جو اعلےٰ درجہ کا قیمتی لباس پہنے ہوئے تھا۔ اُس نے بڑی انکساری سے سلام کیا۔ اور امام صاحب کا نام و مقام و جائے سکونت

फ़ायदा इल्मुल क्याफ़ा.

फ़ायदा इस इल्म का दोनों शख़्सों को पहुंचता है.

१- जो शख़्स अपने ऐबों पर मुत्तला हो उस को चाहिये कि उनके छोड़ने पर सख़्त कोशिश करे. ताकि बुराई और ऐबों से पाक होजावे.

२- और जिस को ग़ैर के उयूब से आगाही हो उस को चाहिये कि उस के शर से बचने की कोशिश करे.

तमसीलन चन्द हिकायतें दर्ज ज़ैल हैं.

हिकायत.

इमामजाफ़र सादिक़ अलैहिस्सलाम सफ़र में थे एक शहर में उनको एक आदमी मिला जो आलादर्जे का क़ीमती लिबास पहने हुवे था उस ने बड़ी इन्किसारी से सलाम किया और इमाम साहब का नाम व मुक़ाम व जाये

ضرورت علم القیافہ

ہر انسان کو اس علم کا جاننا ضروری ہے۔ کیونکہ انسان مدنی الطبع واقع ہوا ہے۔ لوگوں میں مل جل کر رہنا پسند کرتا ہے۔ اور ملنے جلنے کے واسطے اس امر کا جاننا ضروری ہے کہ کون شخص ملنے اور معاملہ کرنے کے قابل ہے اور کون شخص ناقابل اور خاصکر بادشاہوں راجاؤں اور سرداروں اور حکاموں کو اس علم کا جاننا زیادہ ضروری ہے۔ کیونکہ حسب مراتب اُن کی ضرورتیں وتعلقات وسیع ہوتے ہیں۔ اُن کو انسان کے انتخاب میں بہت احتیاط وجانچ کرنا مناسب ہے۔ اگر اُن کا ایک انتخاب بھی بُرا ہوگا تو اُس کا نقصان ہزاروں آدمیوں کو پہونچے گا۔

ज़रूरत इल्मुल क़्याफ़ा.

हर इन्सान को इस इल्म का जानना ज़रूरी है क्यूंकि इन्सान मदनिउत्तबा वाक़े हुवा है लोगों में मिलजुलकर रहना पसन्द करता है और मिलनेजुलने के वास्ते इस अमर का जानना ज़रूरी है कि कौन शख़्स मिलने और मुआमला करने के क़ाबिल है और कौन शख़्स ना क़ाबिल और ख़ास कर बादशाहों राजाओं और सरदारों और हुक्कामों को इस इल्म का जानना ज़्यादा ज़रूरी है क्योंकि हस्ब मरातिब उन की ज़रूरतें व तअल्लुक़ात वसी होते हैं उन को इन्सान के इन्तख़ाब में बहुत एहतियात व जांच करना मुनासिब है अगर उन का एक इन्तख़ाब भी बुरा होगा तो उस का नुक़्सान हज़ारों आदमियों को पहुंचेगा.

और बुरे आदमी के इन्तख़ाब से जो मूजिब तकलीफ़ व नुक़्सान व पशेमानी होता है बचेंगे.

तारीफ़ इल्मुल क़्याफ़ा.

इल्मुलक़्याफ़ा वह इल्म है जिस के ज़रिये से इन्सान की ज़ाहिरी हालत रंग व शक्ल आज़ाय देखकर उस के अख़्लाक़ बातिनी का पता लगाते हैं इल्मुलक़्याफ़े को इल्म फ़िरासत भी कहते हैं- फ़िरासत के मानी हैं दानाई यानी ग्यान चूंकि इस इल्म के जाननेसे इनसान की ज़ाहिरी सूरत देखकर उस के अन्दरूनी ख़्यालात का अन्दाज़ा होता है इस लिये जो लोग इस इल्म के आलिम हैं वह मेहज़ इन्सान का चेहरा व आज़ाय ज़ाहिरी देखकर ख़्वाह मर्द हो या औरत उस की उम्दा ख़सलतें और बुरी आदतों का पता लगालेते हैं

اور بُرے آدمی کے انتخاب سے جو موجب تکلیف و نقصان و پشیمانی ہوتا ہے بچیں گے۔

تعریف علم القیافہ

علم القیافہ وہ علم ہے جس کے ذریعہ سے انسان کی ظاہری حالت رنگ و شکل اعضا دیکھکر اس کے اخلاق باطنی کا پتہ لگاتے ہیں۔ علم القیافہ کو علم فراست بھی کہتے ہیں۔ فراست کے معنی ہیں دانائی یعنی گیان۔ چونکہ اس علم کے جاننے سے انسان کی ظاہری صورت دیکھکر اس کے اندرونی خیالات کا اندازہ ہوتا ہے اس لئے جو لوگ اس علم کے عالم ہیں وہ محض انسان کا چہرہ و اعضاء ظاہری دیکھکر خواہ مرد ہو یا عورت اس کی عمدہ خصلتوں اور بری عادتوں کا پتہ لگا لیتے ہیں۔

جناب بہادر دام اقبالہ و ملکہ و حشمتہ
علمی تحفہ پیش کیا کرتا ہوں جو اصول
حکمرانی میں کارآمد و مفید ثابت
ہو۔ اب کی مرتبہ علم القیافہ میں
ایک مختصر رسالہ بڑے بڑے
حکما اور علما کی تصانیف
سے منتخب و مرتب کر کے بتقریب
سعید سنہ ہویں سالگرہ حضور
معلے دام اقبالہ بطور ناچیز
پریزنٹ نہایت ادب کے ساتھ
پیش کرتا ہوں۔ امید شرف قبولیت ہے
علم القیافہ کے جاننے کی سب
کو ضرورت ہے۔ اور خاصکر بادشاہوں
راجاؤں کو بہت ضرورت ہے۔ کیونکہ
اُن کو ہزاروں آدمیوں سے معاملہ
پڑتا ہے۔ اگر اس علم پر لحاظ
رکھیں گے تو ہر کام اور معاملہ کیواسطے
اکثر بہترین آدمی انتخاب کر سکیں گے

जनाब बहादुर दाम इक़बालहू व मुल्कहू
हश्मतहू इल्मी तोहफ़ा पेश किया कर
ता हूं जो उसूल हुकमरानी में कारआमद
व मुफ़ीद साबित हो। अब की मर्तबा
इल्मुल क़्याफ़े में एक मुख़्तसिर रि-
साला बड़े २ हुक्मा और उल्मा की
तसानीफ़ से मुन्तख़िब व मुरत्तिब कर
के बतक़रीब सईद सौहवीं सालगिरह
हुज़ूर मुअल्ला दाम इक़बालहू बतौर ना
चीज़ पेज़न्ट निहायत अदब के साथ पेश
करता हूं। उम्मीद शरफ़ क़बूलियत है।
इल्मुल क़्याफ़े के जानने की सब को
ज़रूरत है और ख़ास कर बादशाहों
राजाओं को बहुत ज़रूरत है क्योंकि उनको
हज़ारों आदमियों से मुआमला पड़ता
है अगर इस इल्म पर लिहाज़ रखेंगे तो
हर काम व मुआमले के वास्ते अक्सर
बहतरीन आदमी इन्तख़ाब कर सकेंगे

۱۳۸
۱۳۶

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

اول میں تعریف کرتا ہوں اللہ تعالےٰ بزرگ و برتر کی جو تمام بادشاہوں کا بادشاہ اور سارے جہان کا پیدا کرنے والا اور پالنے والا اور مالک و مختار ہے۔

اور درود و سلام بھیجتا ہوں اوپر نبی آخر الزماں کے جو رحمۃ للعلمین ہیں اور اوپر آل و اصحاب اُن کی کے۔

بعد ازاں عرض ہے کہ میں اکثر بتقریب مبارک سالگرہ حضور معلّی مہاراجہ جارج جیاجی راؤ صاحب سیندھیہ عالیجاہ

अव्वल मैं तारीफ़ करता हूं अल्लाह तआला बुज़ुर्ग व बरतर की जो तमाम बादशाहों का बादशाह और सारे जहान का पैदा करने वाला और पालने वाला और मालिक व मुख़्तार है.

और दरूद व सलाम भेजता हूं ऊपर नबी आख़िरुज़्ज़मां के जो रेहमतुल्लिल आलमीन है और ऊपर आल व असहाब उनके के - बाद अज़ां अर्ज़ है कि मैं अक्सर बतक़रीब मुबारिक साल गिरह हुज़ूर मुअल्ला महाराजा जार्ज जयाजीराव सा. सेंधिया आली-

रिसाला
इल्मुल क़्याफ़ा

तोहफ़ा सालगिरह

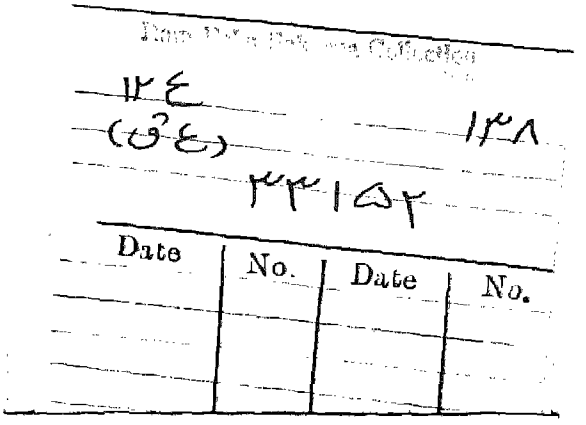
मुआल्लिफ़ा
हकीम उबेदुल्लाखां
गवालियार

आलीजाह दरबार प्रेस,- गवालियार.
२४ नवम्बर सन १९३२ ई०

١٣٨

DUE DATE

٣٣١ ٥٢


١٢٤
(ق ٤)
١٣٨
٣٣١٥٢
Date
No.
Date
No.